15 (2)

मंथन

15 अगस्त, 2021

स्टाफ क्लब
सीएसआईआर- हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान
पालमपुर, हिमाचल प्रदेश, भारत

मंथन

स्टाफ क्लब, सी.एस.आई.आर.- हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान, पालमपुर

वर्ष 15 **अंक 2** **15 अगस्त, 2021**

आमुख

स्टाफ क्लब की पत्रिका "मंथन" 2021 का दूसरा अंक आपके समकक्ष प्रस्तुत है। आपके अन्दर विद्यमान वे प्रतिभायें, जिन्हें आप बोल कर या अन्य किसी रूप में व्यक्त नहीं कर सकते, उन्हें मंथन के माध्यम से लघुलेख, कथा, कलाकृति, रेखाचित्र, कविता या अन्य किसी भी रूप में व्यक्त कर सकते हैं तथा छिपी प्रतिभा को निखार सकते हैं।

"मंथन की भावना है- भावनाओं का मंथन"

स्टाफ क्लब के सभी सदस्यों एवं उनके परिजनों से निवेदन है, कि वे मंथन के आगामी अंकों के लिए भी प्रविष्टियां देते रहें, ताकि मंथन के आने वाले अंक समय से प्रकाशित किया जा सके।

इस अंक में प्रविष्टियां देने एवं सहयोग करने वालों का स्टाफ क्लब की ओर से धन्यवाद।

संपादक: शशी भूषण
संकलन: सौरभ शर्मा

विषय सूची

क्रम संख्या	शीर्षक	लेखक	पृष्ठ संख्या
1.	ये तिरंगा दिल की धड़कन	जगदीप सिंह	3
2.	स्वतंत्र हिन्दू वासियों	जगदीप सिंह	4
3.	नारी सशक्तिकरण	अवनेश कुमारी	5
4.	मैं लिखना चाहती हूं पिता पर एक कविता	नीतू सैनी	6
5.	पद्मश्री करतार पारस राम सिंह: हरे सोने के जौहरी	अनीता कुमारी, किरण देवी और रोहित जोशी	7
6.	Father, the Life-Shaper	Vivek Das	8

हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान के परिवार के बच्चों की कृतियाँ

1.	वामिका पांडे	9
2.	आकर्ष पांडे	10
3.	आयूष यादव	11
4.	देवांगना गाइन	12
5.	आयूष यादव	13
6.	असकिनी शर्मा	14
7.	दीप्तांशु गाइन	15
8.	हर्षिता शर्मा	16
9.	माही गहलोत	17
10.	ईशान	18

ये तिरंगा दिल की धड़कन

ये तिरंगा हाथ में ले पग निरंतर ही बढ़े,
ये तिरंगा हाथ में ले दुश्मनों से हम लड़े।

ये तिरंगा दिल की धड़कन ये हमारी जान है,
ये तिरंगा वीरता का गूँजता इक मंत्र है,
ये तिरंगा वंदना है भारती का मान है।

ये तिरंगा विश्व जन को सत्य का संदेश है,
ये तिरंगा कह रहा है अमर भारत देश है,
ये तिरंगा इस धरा पर शांति का संधान है।

ये तिरंगा स्वर्ग से सुंदर धरा कश्मीर है,
ये तिरंगा झूमता कन्याकुमारी नीर है,
ये तिरंगा माँ के होठों की मधुर मुस्कान है।

रंग केसरिया बताता वीरता ही कर्म है,
श्वेत रंग यह कह रहा है, शांति ही धर्म है,
हरे रंग के स्नेह से ये मिट्टी ही धनवान है।

जगदीप सिंह

स्वतंत्र हिन्दू वासियों

स्वतंत्र हिन्दू वासियों आजाद भारत की शान,
फूलों फलों खूब तुम दुआ करता है हिंदुस्तान।

चलो सिर ऊंचा करके भारत देश वासियों,
स्वतंत्रता पे करलो नाज मेरे प्यारे भारत हिन्द वासियों
स्वतंत्रता दिवस है याद करलो उन महान वीरों को,
आजाद हिन्दू फोज है सभी शहीदो को।

स्वतंत्रता सेनानी को बापू और पटेल को,
भारत के फोजियों को सीमाओं पे खड़े जो
हिफाजद में हम सबकी हो रहे है कुर्बान,
इमानदारी से है दे रहे वो लाखो के है दान।

माना की दे सकते नही सभी वतन के लिए जान,
पर सच्चाई और इमानदारी से तो कर सकते है अपने काम
भरष्टाचार का गंदा धब्बा न लगे तिरंगे पे,
बनता है फर्ज इतना तो हमारा देश के लिए,
आओ सत्यता ईमानदारी से सब काम को करें,
मिलजुल के मिलजुल के वतन को उचाइओ पे ले चले।

अनेकता में एकता की प्रचण्ड शक्ति हम,
माता को गर्व है हम पे अरबो की शक्ति हम
कैसे है कोई एक दुर्बल है रह न पाए।

अरबो है हम देश में प्रबल उसको बनाये हम
करे आओ कुछ ऐसा हम जो हो स्वार्थ से परे,
को फोजी भी कभी फक्र करें हमारे काम पे।

|| जय हिन्द ||

जगदीप सिंह

नारी सशक्तिकरण

हिन्द की नारी के रूप अनेक कभी सरस्वती, कभी लक्ष्मी बन।
कभी काली - दुर्गा का रूप धर हमें करती धन्य।
नारी तूही जीने का आधार है।
खुलते तुझसे ही खुशियों के सब द्वार हैं।
नारी वो शक्ति है जिसने इस श्रष्टि को संजोया है।
नारी वो शक्ति है जिसने देवताओं को भी मुसीबत से बचाया है।
सुना है उसी हिन्द की नारी को सशक्त बनाने के लिये सरकार ने अभियान चलाया है।
नारी को सशक्त और समर्थ बनाने का सरकार ने बीड़ा उठाया है।
संसद मे भी नारी की भागीदारी को बढ़ाया है।
क्या कभी सोचा है नारी को किसने सबसे ज़्यादा सताया है।
एक नारी ने ही दूसरी नारी पे सितम ढ़ाया है।
पुरुषों में कहाँ दम था।
एक नारी ने ही दूसरी नारी को निर्बल बनाया है।
नारी सशक्तिकरण तब होगा जब नारी के विभिन्न रूपों मे विश्वास बढ़ेगा।
सास-बहू मे प्यार बढ़ेगा।
ननद-भाभी मे तकरार कम होगी।
देवरानी-जेठानी मे जलन की भावना कम होगी।
अभियान चलाने से नारी सशक्तिकरण नहीं होगा।
औरत ही औरत की दुश्मन है।
जिस दिन यह कहावत मिथ्या हो जाएगी
तब सही मायने मे नारी सशक्त हो जाएगी।

अवनेश कुमारी

मैं लिखना चाहती हूं पिता पर एक कविता

सोचती हूं क्या अंतर होता होगा
एक लड़की के पिता में
और....

जिसके नहीं होती लड़की उस पिता में....
मैं लिखना चाहती हूं उस पिता पर कविता
जिसने दिया खुला आसमां अपनी लड़की को
और जिसने रखा बंद दरवाज़ा, एक डर उसे लड़की का....
मैं लिखना चाहती हूं उस पिता पर एक कविता
क्या सोचता होगा वो पिता जिसने लड़की को मीलों दूर उसे मंजिल तक जाने दिया
और वो पिता किस डर में जीता होगा जिसने लड़की को सिर्फ घर में ही रहना ठीक समझा....

मैं लिखना चाहती हूं उस पिता पर एक कविता
जिसने बंधनों से दूर अपनी लड़की को उसका जीवन जीने दिया
और उस पिता पर जिसने बस मात्र एक विवाह ही लड़की का जीवन बना दिया....
मैं लिखना चाहती हूं हर उस लड़की के पिता पर एक कविता
जिन पिताओं ने अपनी लड़कीयों के जीवन को अलग अलग तरीके से परिभाषित किया....!

नीतू सैनी

पद्मश्री करतार पारस राम सिंह: हरे सोने के जौहरी

हर साल, देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से एक, 'पद्म श्री', की घोषणा 'किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा' के लिए, हर साल गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। यह पुरस्कार भारत के राष्ट्रपति द्वारा, राष्ट्रपति भवन में आयोजित औपचारिक समारोह में प्रदान किया जाता है। इस वर्ष श्री करतार पारस राम सिंह को "बांस कला" के क्षेत्र में उनके समर्पण और रचनात्मक योगदान को देखते हुए पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हिमालय की तलहटी में बांस बहुतायत में उगता है, जो निर्माण सामग्री और हस्तकला के लिए पर्याप्त संसाधन प्रदान करता है। हमीरपुर जिले के नौहंगी गांव में रहने वाले श्री करतार सिंह मूलत: गलोड़ के साथ सटे रटेड़ा (नारा) के निवासी हैं। 1 अप्रैल, 1959 को जन्मे करतार सिंह ने हायर सेकेंडरी तक की शिक्षा गलोड़ स्कूल से हासिल की। तत्पश्चात बिलासपुर कालेज से स्नातक की डिग्री हासिल की और उसके बाद उन्होंने डी फार्मेसी की।1986 में उनकी नियुक्ति एनआईआईटी हमीरपुर में बतौर फार्मासिस्ट हो गई। श्री करतार सिंह बांस का प्रयोग कर, बंद बोतल में कलाकृति को उतारने में माहिर हैं। उनके हाथों की महारत ने लोगों को दांतों तले अंगुली दबाने के लिए मजबूर कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग से 2019 में बतौर फार्मासिस्ट सेवानिवृत्त हुए करतार सिंह करीब बीस साल से लगातार अपने शौक को मूर्त रूप दे रहे हैं। श्री करतार सिंह एक प्रतिष्ठित लघु कलाकार हैं, जो बांस की तीलियों में रंग भर कई घंटों की एकाग्रता व कई दिनों की मेहनत के पश्चात सूक्ष्म औजारों के माध्यम से वह शीशे की बोतल के अंदर ही कलाकृति का निर्माण करते हैं। श्री करतार सिंह कहते हैं कि उन्हें बचपन से ही बांस की कलाकृति से लगाव था, और अपने इस शौक को उन्होने नौकरी के दौरान खाली समय में निखारा तथा जुनून में बदल दिया। उन्होने, पेरिस का एफिल टावर, मनाली का हिड़िंबा माता मंदिर, आगरा का ताजमहल, श्री हनुमान जी, भगवान शिव परिवार, राधा कृष्ण, नग्गर स्थित त्रिपुरा माता सुंदरी मंदिर, गुरु नानक देव जी, साई बाबा, शिमला का ऐतिहासिक चर्च, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम, महात्मा गांधी, हिमाचल प्रदेश के सीएम जय राम ठाकुर, और बोतलों में सज्जित पहाड़ी घरों के आकर्षक लघु मॉडल सहित दुनिया की कई धरोहरों की कृतियां बनाई हैं। वे अपनी कलाकृतियां बेचते नहीं, बल्कि सहेज कर रखते हैं। करतार सिंह को बांस की कलाकृतियां बनाने तथा इस कला को पुनिर्जीवित करने के लिए पर अब तक एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड (ग्रैंड मास्टर की उपाधि), इंडियन बुक ऑफ अवार्ड, हमीर गौरव समेत कई पुरस्कार मिले हैं।

अनीता कुमारी, किरण देवी और रोहित जोशी

Father, the Life-Shaper

When we feel life is overflown with problems,
He is the one to keep the check;
When life's path is distorted,
He is the one to keep the track.

He is an associate when we are on the path,
Yet a punisher when we try to be a brat;
He is the potter and we are clay,
He makes us golden from the shade of dusty grey.

Life is an infinite maze,
He is the master map;
If there's a cage on the path,
He makes sure we do not trap.

He is the associate, he is the checker,
He is the potter, he is the punisher,
He is our wish, yet life's wish,
He is the life-shaper – He is father.

Vivek Das

वामिका पांडे

आकर्ष पांडे

आयूष यादव

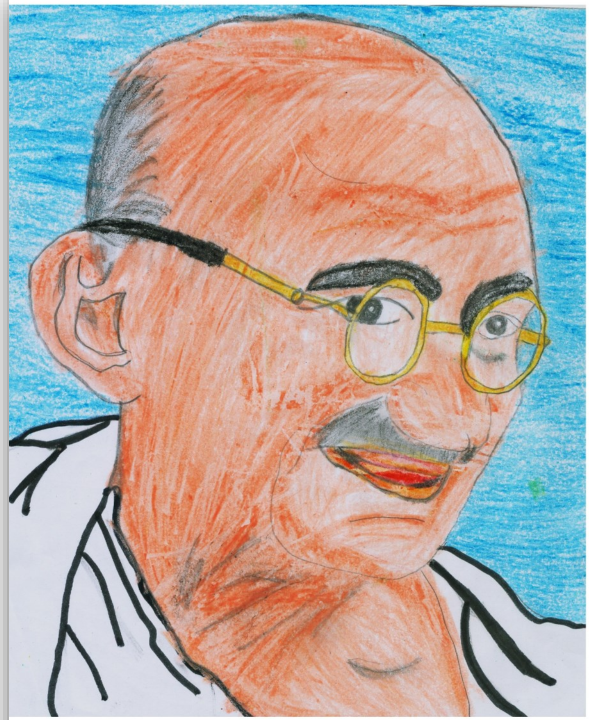

देवांगना गाइन

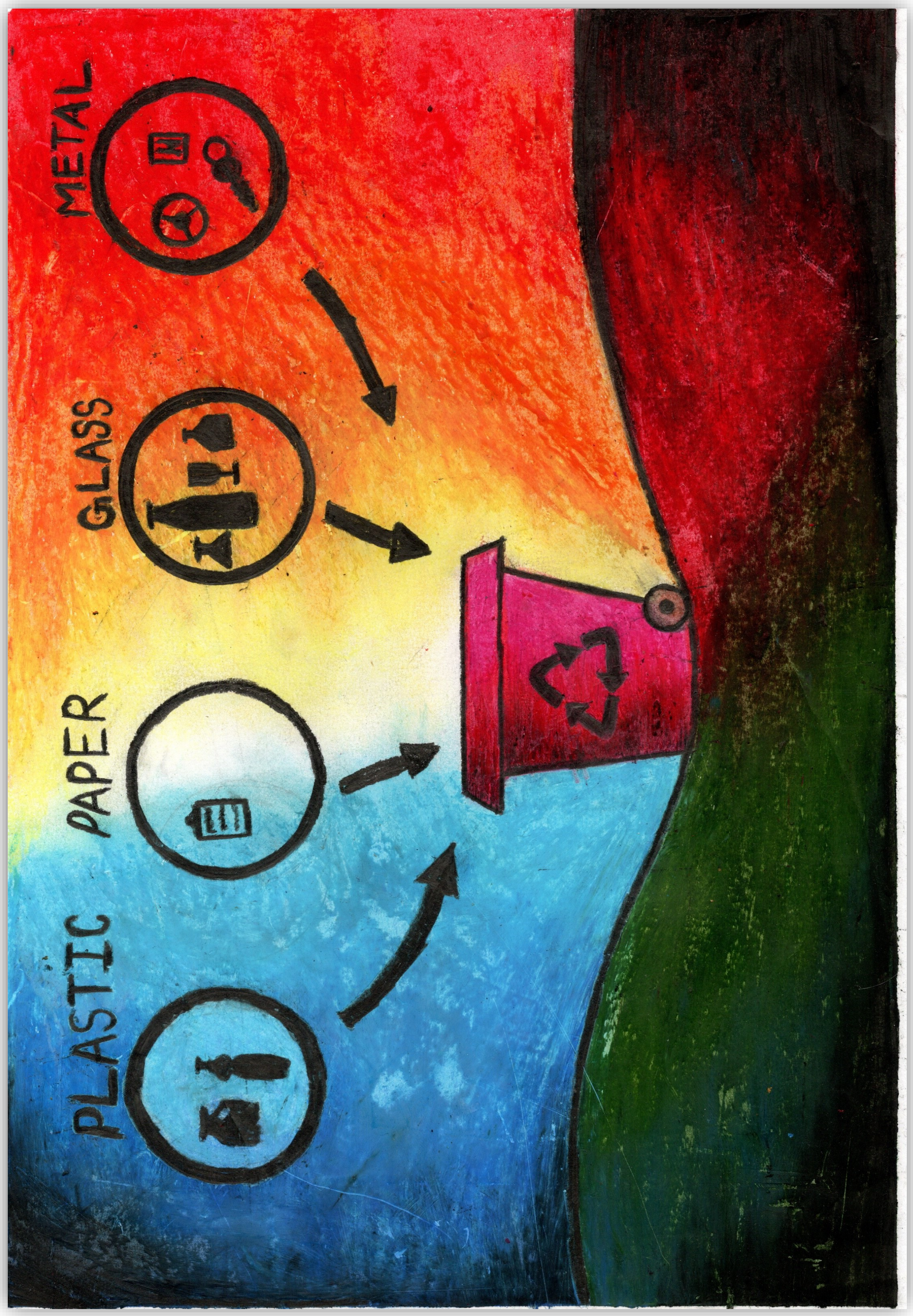

आयूष यादव

असकिनी शर्मा

दीप्तांशु गाइन
Deeptanshu Gain
Class-4A

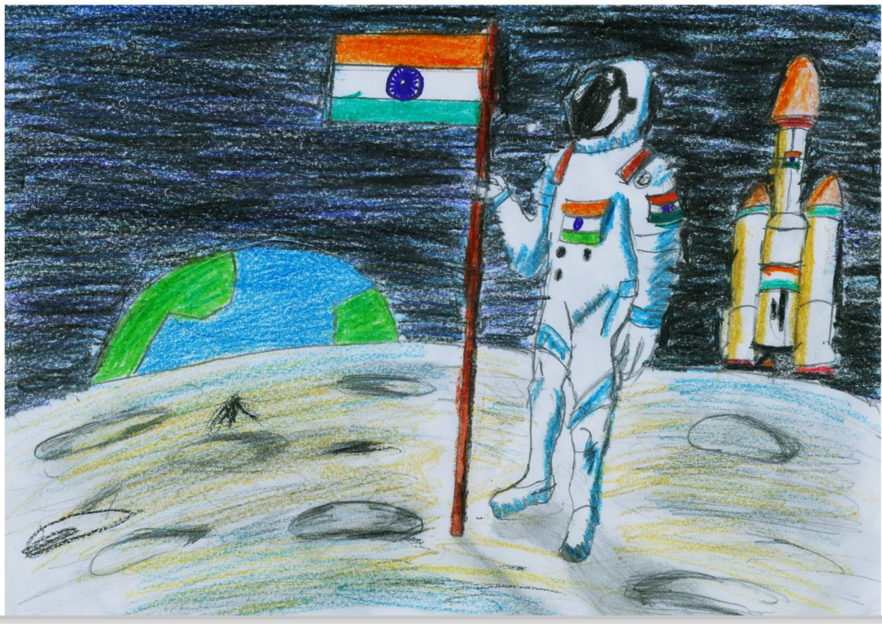

दीप्तांशु गाइन

हर्षिता शर्मा

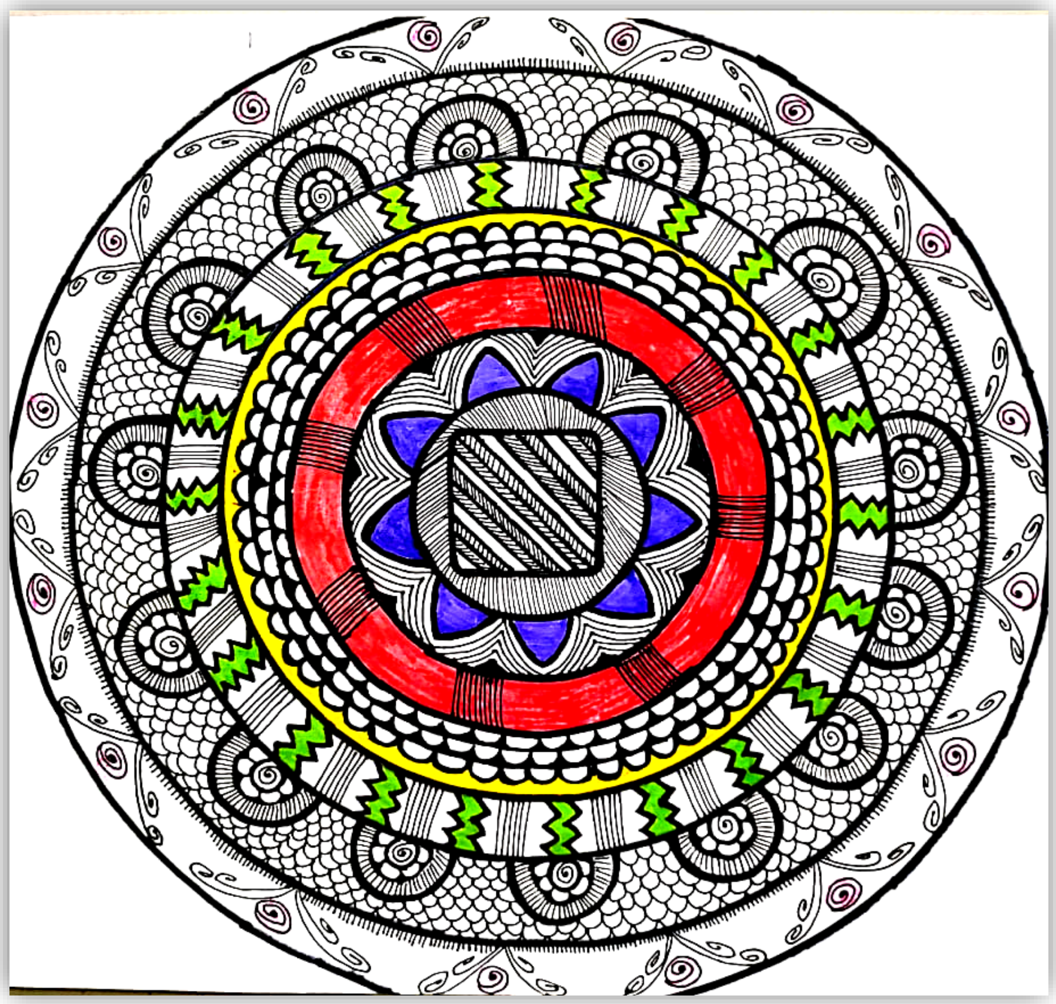

माही गहलोत

ईशान

सी.एस.आई.आर.–हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान

CSIR-IHBT

1983